कक्षा - ६

हिंदी व्याकरण

वर्ण विचार

व्याकरण के जिस भाग से वर्ण, वर्ण के भेद, उच्चारण, रचना और व्यवहार का बोध होता है, उसे वर्ण विचार कहते हैं।

वर्ण – वह मूल ध्वनि जिसका खंड या टुकड़ा नहीं किया जा सके, उसे वर्ण कहते हैं।
जैसे – अ, आ ..... ज्ञ तक

अक्षर — वह मूल ध्वनि जिसका क्षर अर्थात् विनाश नहीं होता है, उसे अक्षर कहते हैं।
जैसे - आ, आ, इ - - - - -

वर्णमाला — वर्णों के क्रमबद्ध समूह को वर्णमाला कहते हैं।

जैसे — अ आ इ ई उ ऊ ऋ
ए ऐ ओ औ अं अः
क ख ग घ ङ
च छ ज झ ञ
ट ठ ड ढ ण
त थ द ध न

प फ ब भ म

य र ल व श ष स ह क्ष त्र ज्ञ।

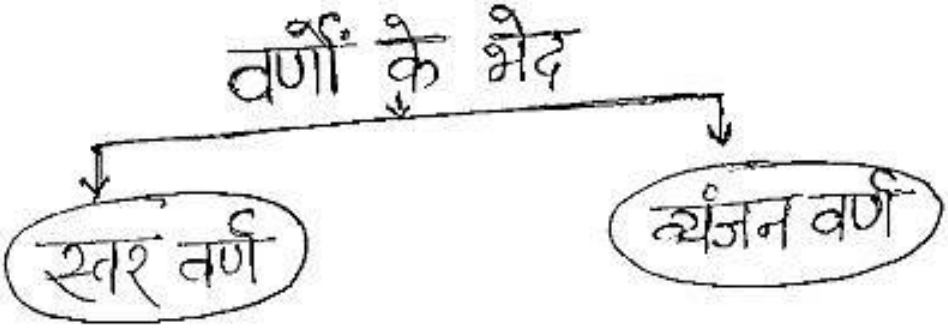

1. **स्वर वर्ण** — जिन वर्णों का उच्चारण मुख के अन्दर वायु को बिना रोके किया जा सके, उन्हें स्वर वर्ण कहते हैं।

जैसे- अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ए, ऐ, ओ, औ।

☆ स्वर वर्णों की संख्या 11 (ग्यारह) है।

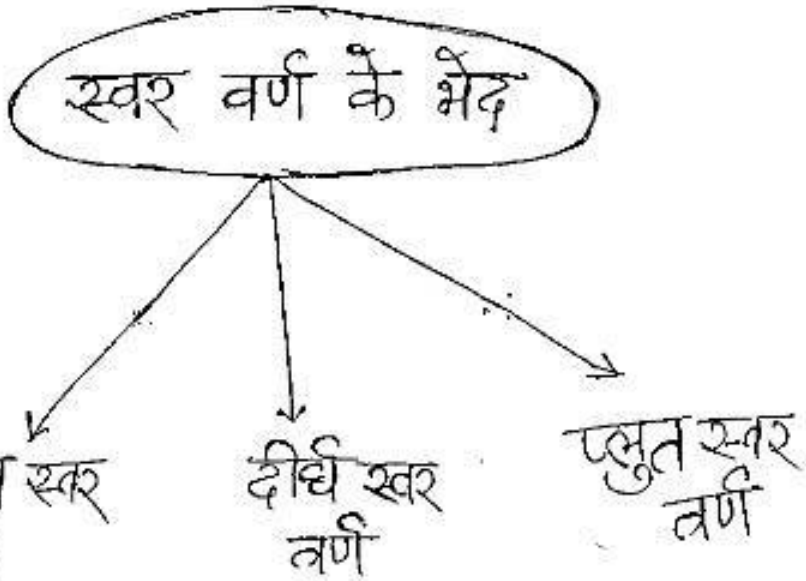

1. **ह्रस्व स्वर वर्ण** — जिन स्वर वर्णों के उच्चारण में सबसे कम समय लगता है, उन्हें ह्रस्व स्वर वर्ण कहते हैं।

जैसे — अ , इ , उ , ऋ

2. **दीर्घ स्वर वर्ण** — जिन स्वर वर्णों के उच्चारण में ह्रस्व स्वर वर्ण से दुगना समय लगता है, उन्हें दीर्घ स्वर वर्ण कहते हैं।

जैसे — आ, ई , ऊ , ॠ , ऐ , औ , औं

3. **प्लुत स्वर वर्ण** — जिन स्वर वर्णों के उच्चारण में ह्रस्व स्वर वर्ण से तिगुना समय लगता है, उन्हें प्लुत स्वर वर्ण कहते हैं।

जैसे — ओऽम् , हे ऽ ईश्वर आदि।

व्यंजन वर्ण —

परिभाषा जिस वर्ण के उच्चारण में स्वर वर्ण की सहायता ली जाती है, उसे व्यंजन वर्ण कहते हैं।

जैसे — क, ख, ग ..... ज्ञ तक।

व्यंजन वर्ण के भेद

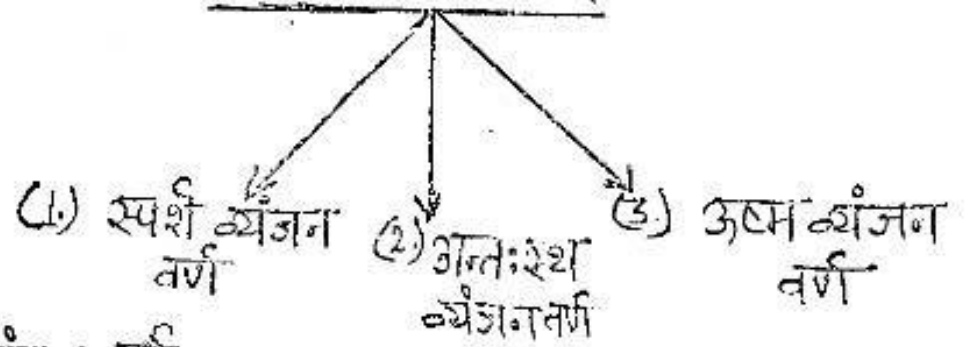

(1.) **स्पर्श व्यंजन वर्ण** — जिस व्यंजन वर्ण का उच्चारण कण्ठ, तालु, मूर्द्धा, दंत और ओष्ठ के स्पर्श से होता है, उसे स्पर्श व्यंजन वर्ण कहते हैं।

जैसे — क वर्ग - (क ख ग घ ङ)
च वर्ग - (च छ ज झ ञ)
ट वर्ग - (ट ठ ड ढ ण)
त वर्ग - (त थ द ध न)
प वर्ग - (प फ ब भ म)

(2.) **अन्तःस्थ व्यंजन वर्ण** — जिस व्यंजन वर्ण के पहले स्पर्श व्यंजन वर्ण और बाद में ऊष्म व्यंजन वर्ण होता है, उसे अन्तःस्थ व्यंजन वर्ण कहते है।

जैसे — य, र, ल, व

(3.) **ऊष्म व्यंजन वर्ण** — जिस व्यंजन वर्ण का उच्चारण घर्षण से होता है, उसे ऊष्म व्यंजन वर्ण कहते है।

जैसे — श, ष, स, ह

☆ **संयुक्त व्यंजन वर्ण** — जिन व्यंजन वर्णों के उच्चारण में दो व्यंजन वर्णों की सहायता ली जाती है, उन्हें संयुक्त व्यंजन वर्ण कहते हैं।

जैसे — क् + ष = क्ष , त् + र = त्र , ज् + ञ = ज्ञ , श् + र = श्र

☆ **दवित्व व्यंजन** — दो समान (एक जैसे) व्यंजन वर्ण मिलकर दवित्व व्यंजन वर्ण बनते हैं।

जैसे — म् + म = म्म - चम्मच
प् + प = प्प - चप्पल
क् + क = क्क - मक्का

✡ वर्णों के उच्चारण स्थान छः प्रकार के होते हैं —

वर्णों के उच्चारण स्थान	वर्ग	वर्ण
(1.) कण्ठ	क वर्ग	क, ख ग घ ङ ; अ, आ, ह
(2.) तालु	च वर्ग	च छ ज झ ञ, इ, ई, य, श
(3.) मूर्धा	ट वर्ग	ट ठ ड ढ ण, र, ष
(4.) दन्त	त वर्ग	त थ द ध न, ल, स
(5.) ओष्ठ	प वर्ग	प फ ब भ म, उ, ऊ
(6.) नासिका	सभी वर्गों के पाँचवें वर्ण	ङ, ञ, ण, न, म

✡ कण्ठ + तालु = ए, ऐ

✡ कण्ठ + ओष्ठ = ओ, औ

✡ दन्त + ओष्ठ = व

✡ मात्रा — स्वर वर्ण के संकेत चिह्नों को मात्रा कहते हैं।

जैसे-
- आ — ा
- इ — ि
- ई — ी
- उ — ु
- ऊ — ू
- ए — े
- ऐ — ै
- ओ — ो
- औ — ौ
- अं — ं
- अः — ः

✡ वर्ण निर्माण —

- क – क् + अ
- का – क् + आ
- कि – क् + इ
- की – क् + ई
- कु – क् + उ
- कू – क् + ऊ
- के – क् + ए
- कै – क् + ऐ
- को – क् + ओ
- कौ – क् + औ
- कं – क् + अं
- कः – क् + अः

- कृ – क् + ऋ
- क्र – क् + र
- र् – रेफ (र्)
- र – ्र